

२५ पत्रावली पेश। काव्यवक्त्रा प्रार्थी उपस्थित।
मूलवाद का निरस्तारण हो जाने से कवणतः
थाचेका चलाया जाना चाहोती नही होतः
पत्रावली निर्गत समझी जाकर दाखिल कर
होतः